Need to include blocks in Latur district of Maharasthra under the Aspirational Blocks Programme.-laid

श्री सुधाकर तुकाराम श्रंगारे (लातूर): महाराष्ट्र का लातूर जिला विगत तीन दशकों से प्रकृति की मार झेल रहा है। 1993 का भीषण भूकम्प, तीन दशकों का भीषण सूखा तथा पिछले दो सालों से अति वृष्टि के कारण यहां की खेती पूरी तरह बरबाद हो गई है, पानी की कमी के कारण यहां से सारे उद्योग पलायन कर चुके हैं एवं उद्योगों के अभाव में यहां भारी बेरोजगारी फैली हुई है। पिछले दो सालों की अति-वृष्टि के कारण यहां के पहले से ही बरबाद किसानों की खड़ी फसलें बरबाद हो गई, सैकड़ों लोग मारे गए, हजारों मवेशी बाढ़ में बह गए तथा हजारों मकान अति-वृष्टि के कारण पूरी तरह टूट गए अथवा बाढ़ में बह गए हैं। अब इस जिले की अर्थव्यवस्था पूरी तरह बरबाद हो गई है।

अब यह महाराष्ट्र के पिछड़े जिलों में गिना जाता है। इस जिले को प्राथमिकता के आधार पर पुनर्विकसित किए जाने की अत्यधिक आवश्यकता है। बड़ी खुशी की बात है कि सरकार ने एस्पिरेशनल डिस्ट्रिक प्रोग्राम के तहत अब देश भर में 500 ब्लॉकों को चयन करने का फैसला किया है जिसमें विभिन्न क्षेत्रों जैसे स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा, कृषि, जल संसाधन, वित्तीय समावेशन, कौशल विकास और आधारभूत ढांचे का विकास किया जाएगा। मेरा लातूर जिला इस दृष्टि से काफी पिछड़ा हुआ है। अत: मेरा सरकार से अनुरोध है कि लातूर जिले के अहमदपुर, चाकूर, देवनी, जलकोट, उडगीर व निलंगा ब्लॉकों को इस योजना के तहत विकास हेतु शामिल करके वहां विभिन्न क्षेत्रों जैसे स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा, कृषि, जल संसाधन, वित्तीय समावेशन, कौशल विकास और आधारभूत ढांचे का विकास किया जाए एवं इसके त्वरित विकास हेतु विशेष फंड उपलब्ध करवाकर इस जिले के चहुंमुखी विकास हेतु कदम उठाए जाएं ताकि यहां से पलायन कर चुके उद्योग धंधे वापस लौटें, नौजवानों को बेहतर रोजगार के अवसर प्राप्त हों, खेती को पुनर्जीवित किया जाए और परिणामस्वरूप यहां की अर्थव्यवस्था पुन: पटरी पर लौट सके।